वार्षिक पाठ्यक्रम 2023-24

कक्षा – 6

विषय – हिंदी

क्र. सं.	पाठ संख्या और नाम	विधा/ विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य	अधिगम संप्राप्ति	संदर्भ/ सुझावात्मक क्रियाकलाप
1	**पाठ 1. वह चिड़िया जो** केदारनाथ अग्रवाल	कविता / प्रकृति एक चिड़िया जो उन्मुक्त प्राकृतिक वातावरण/ परिवेश में प्रसन्न/ संतुष्ट है I	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय-वस्तु-** **कक्षा 4 – का. सं. 60A, 63A, 66A** विशेषण की पहचान **कक्षा 5 – का. सं. 39A** पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिन्दु **क्रिया विशेषण** की पहचान और प्रयोग प्रकृति एवं पर्यावरण से सम्बंधित विषयों पर आधारित अपठित पद्यांश का अभ्यास संज्ञा और उसके भेद उदहारण सहित।	• कविता विधा से परिचित होंगे, • भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, • प्राकृतिक परिवेश, जीव-जंतु के प्रति जिज्ञासु होंगे, • पशु-पक्षी के प्रति संवेदनशील होंगे, • कल्पनाशीलता का विकास होगा, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे। • संज्ञा और उसके भेद उदाहरण सहित जान सकेंगे • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे।	• अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं। • पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं। • बच्चे विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं, जैसे- पाठ्यपुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर पक्षियों पर लिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं। • पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। • भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।	• कार्यपत्रक सं. 11-13 का अभ्यास • प्रकृति एवं पर्यावरण से सम्बंधित बिन्दुओं पर अनुच्छेद/ निबंध लेखन/ चित्र वर्णन/ नाट्य रूपांतरण/ संवाद लेखन/फैंसी परिधान प्रतियोगिता का अभ्यास
2	**पाठ 2. बचपन** कृष्णा सोबती	संस्मरण/ कृष्णा सोबती के जीवन से जुड़ी यादें। अपने बचपन के	**कक्षा 4 – का. सं. 52A** सर्वनाम की पहचान **कक्षा 5 – का. सं. 10**	• 'संस्मरण' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, • आदर्श वाचन में सक्षम होंगे	• संस्मरण विधा को समझायाई जाय । • विभिन्न पठन सामग्रियों में प्रयुक्त शब्दों, मुहावरों, लोकोक्तियों को समझते हुए उनकी सराहना	• अनुभव कथन सम्बंधित बिन्दुओं पर

		दिनों को याद कर लेखिका समय के साथ आ रहे सामाजिक और सांस्कृतिक बदलावों की चर्चा कर रही हैं ।	पाठान्तर्गत सर्वनाम के भेद एवं प्रयोग पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिन्दु **पुरुषवाचक सर्वनाम** की पहचान और प्रयोग **क्रिया विशेषण** की पहचान और प्रयोग **भाषा और लिपि**	• बचपन के कई सारे अनुभवों की अनुभूति नए संदर्भ में कर सकेंगे, • तत्कालीन परिस्थितियों के पारिवारिक एवं सामाजिक परिवेश को जानने और समझने का प्रयास करेंगे, • शिमला और वहाँ की विशेषताओं को जान सकेंगे, • अपनी अनुभूतियों को लिखने का प्रयास करेंगे, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, • अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	करते हैं। विभिन्न पठन सामग्रियों को पढ़ते हुए उनके शिल्प की सराहना करते हैं और अपने स्तरानुकूल मौखिक, लिखित, ब्रेल/ सांकेतिक रूप में उसके बारे में अपने विचार व्यक्त करते हैं। • किसी पाठ्यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझने के लिए ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी सहपाठी या शिक्षक की मदद लेकर उपयुक्त संदर्भ सामग्री, जैसे- शब्दकोश, विश्वकोश, मानचित्र,इंटरनेट या अन्य पुस्तकों की मदद लेते हैं। • भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे-कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।	अनुच्छेद /निबंध लेखन का अभ्यास • अपने बचपन की किसी नादानी पर लघुकथा/ कहानी/ अनुच्छेद लेखन का अभ्यास/ महिला लेखिकाओं की सूची व रचना तैयार करना
3	**पाठ .3 नादान – दोस्त** प्रेमचंद	कहानी / बाल सुलभ क्रियाओं का वर्णन । बच्चे नादानी में गलती कर देते हैं, जबकि उनका उद्देश्य अच्छा होता है। पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनात्मक भाव रखेंगे	**कक्षा 4 – का. सं. 60A, 63A, 66A** विशेषण की पहचान **कक्षा 5 – का. सं. 39A** पाठान्तर्गत संख्यावाची विशेषण की पहचान और प्रयोग पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिन्दुओं **संख्यावाची विशेषण** की पहचान और प्रयोग **उपसर्ग** की पहचान और प्रयोग	• कहानी विधा से परिचित होंगे, • महान कथाकार प्रेमचंद एवं उनके कुछ प्रमुख कृतियों से परिचित होंगे और आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, • हमारे आसपास रहने वाले पक्षियों के बारे में जानेंगे, • पक्षियों के अंडे एवं उनके रख-रखाव के बारे में समझ आ जाएगी, • नादानी में की गई गलतियों एवं उनके परिणाम के बारे में सोचने का प्रयास करेंगे और माता-पिता एवं अभिभावक द्वारा दिए गए निर्देशों का	• 'देखो कोयल काली है' कविता का पाठ हो सकता है। • हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंद,नापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं। • पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं।	• कार्यपत्रक सं. 20-29 का अभ्यास • बचपन में की गई किसी नादानी पर लघुकथा/ कहानी वाचन/ चर्चा का अभ्यास • उपसर्ग व प्रत्यय का अभ्यास

			पठित एवं अपठित गद्यांश/पद्यांश का अभ्यास	महत्त्व समझेंगे ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे। ● अभ्यास प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।		

- **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 15 सितम्बर 2023 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **मध्यावधि परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम की पुनरावृति करवाई जाए।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है , शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र है।**
- **ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "बाल रामकथा" कक्षा-6 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से हैं। गत परीक्षाओं में इन पूरक पुस्तकों से प्रश्न नहीं पूछे गए हैं। अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।**

मध्यावधि परीक्षा

क्र. सं.	पाठ संख्या और नाम	विधा/विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम उद्देश्य		संदर्भ/ सुझावात्मक क्रियाकलाप
4	**पाठ 7.** **साथी हाथ बढ़ाना** साहिर लुधियानवी	गीत/ सामाजिक और सामुदायिक सहभागिता, परस्पर सहयोग की भावना	पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिन्दु **निजवाचक सर्वनाम** की पहचान और प्रयोग **पर्यायवाची और समानार्थी शब्दों** की पहचान और प्रयोग लिंग: प्रयोग और अभ्यास वचन: प्रयोग और अभ्यास मुहावरे के अर्थ को समझना और वाक्य में प्रयोग करना एक-एक ग्यारह, मुहावरे के माध्यम से सामाजिक और सामुदायिक सहभागिता, परस्पर सहयोग की भावना विकसित करने का प्रयास किया जा सकता है। ● विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर औपचारिक/ अनौपचारिक पत्र लेखन का अभ्यास	● भावानुकूल, सस्वर एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● कविता के मूलभाव यथा सहकारिता, सहयोग एवं परोपकार की भावना से परिचित होंगे एवं अपने जीवन में भी आत्मसात् कर सकेंगे, ● 'एक और एक ग्यारह' मुहावरे के द्वारा परस्पर सहयोग की भावना समझने का प्रयत्न करेंगे ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं एवं मुहावरों से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, ● अभ्यास प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे। ● कहावतें और मुहावरों का प्रयोग। तत्सम और तद्भव शब्दों का प्रयोग।	● अपने परिवेश में मौजूद लोककथाओं और लोकगीतों के बारे में बताते/सुनाते हैं। ● पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों और विचारों के बारे में मौखिक/सांकेतिक भाषा में बताते हैं। ● विभिन्न संवेदनशील मुद्दों/विषयों, जैसे- जाति, धर्म, रंग, जेंडर, रीति-रिवाज़ों के बारे में अपने मित्रों, अध्यापकों या परिवार से प्रश्न करते हैं जैसे अपने मोहल्ले के लोगों से त्योहार मनाने के तरीके और एकता/सामूहिकता पर बातचीत करना। ● पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। ● भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।	● कार्यपत्रक सं. 35-38 का अभ्यास ● मुहावरे के अर्थ को समझकर वाक्य में प्रयोग करने का अभ्यास काल एवं उसके भेदों, लिंग, वचन तथा मुहावरों की पहचान, एवं उसका अभ्यास, 'एकता में बल' कहानी कथन एवं श्रवण

			● विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर अनुच्छेद/ निबंध/ चित्र वर्णन का अभ्यास		● अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं, जैसे विभिन्न तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना।	
5	**पाठ 8** **ऐसे – ऐसे** विष्णु प्रभाकर	एकांकी/ विद्यालय न जाने के बहाने बनाने के विषय को लेकर हास्य एकांकी एकांकी के विषय-वस्तु, पात्र, घटना क्रम आदि पर चर्चा एवं घटनाक्रम को अपने निजी जीवन से जोड़कर देखने का नज़रिया कल्पनात्मकता का विकास	तत्सम और तद्भव शब्द, विलोम शब्द	● 'एकांकी' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, ● भावानुकूल एवं पात्रानुकूल आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● विद्यार्थी विद्यालय जाने के लिए किस- किस प्रकार के बहाने बनाते हैं इसे जान सकेंगे ● एकांकी के विषय-वस्तु एवं घटनाक्रम को अपने निजी जीवन से जोड़कर देखते है ● पात्र, घटनाक्रम, संवाद आदि शब्दों से परिचित हो सकेंगे ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे, ● अभ्यास प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे। ● संवाद लेखन, दृश्य लेखन का अभ्यास कर सकेंगे।	● हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंदनापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं। ● पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।	● कार्यपत्रक सं. 39-46 का अभ्यास ● विद्यालय न जाने के बहाने विषय को लेकर विद्यार्थी अपने अनुभव को साझा/ चर्चा करें । ● विद्यालय न जाने के हानि। ● विद्यालय न जाने के कौन से बहाने विषय पर चर्चा व अनुच्छेद लेखन।
6	**पाठ 10** **झाँसी की रानी** सुभद्रा कुमारी चौहान	कविता/ भारत के प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन 1857 की क्रांति की नायिका रानी	**संबंध कारक** की पहचान एवं प्रयोग।	● भावानुकूल, सस्वर एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, ● भारत के प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन 1857 की क्रांति के कर्णधारों से परिचित होंगे,	● भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना।	● स्वतंत्रता आंदोलन और उनसे जुड़े नायकों के प्रति जिज्ञासा के

		लक्ष्मीबाई के जीवन चरित को लयबद्ध करती कविता		• झाँसी की रानी के जीवन की कहानी से विद्यार्थियों को अवगत होंगे, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे । • अभ्यास प्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	• अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपों को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं, जैसे- कविता, कहानी, निबंध आदि। • अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। लेखन के विविध तरीकों और शैलियों का प्रयोग करते हैं, जैसे विभिन्न तरीकों से (कहानी, कविता, निबंध आदि) कोई अनुभव लिखना। • विविध कलाओं, जैसे- हस्तकला, वास्तुकला, खेती-बाड़ी, नृत्यकला और इनमें प्रयोग होने वाली भाषा (रजिस्टर) का सृजनात्मक प्रयोग करते हैं, जैसे- कला के बीज बोना, मनमोहक मुद्राएँ, रस की अनुभूति।	माध्यम से उनके बारे में जानकारी संगृहीत करना • उनके व्यक्तित्व पर निबंध/ अनुच्छेद आदि लेखन का अभ्यास
7	**पाठ.12 संसार पुस्तक है** जवाहर लाल नेहरु	पत्र/ पत्रलेखन के - महत्त्व अनुभव अन्य सीख और चिंतन की प्रवृति का विकास, महान एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व के द्वारा लिखे गए पत्रों के प्रति जिज्ञासा और उनसे ली गई प्रेरणा अथवा सीख	**कक्षा 4 – का. सं. 112A, 142A** प्रत्यय शब्द से परिचय योजक चिह्न से परिचय **कक्षा 5 – का. सं. 55A** प्रत्यय शब्दों की पहचान योजक चिह्नों की पहचान पाठान्तर्गत व्याकरणिक बिन्दु – प्रत्यय शब्दों का अभ्यास **पठित एवं अपठित गद्यांश/पद्यांश का अभ्यास**	• 'पत्र' विधा से परिचित होंगे, • आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, • जवाहरलाल नेहरु के नाम एवं उनके व्यक्तित्व से परिचित होंगे, • तर्क कौशल एवं वैचारिकता का विकास होगा, • पत्र-लेखन के महत्त्व को समझ सकेंगे , • महान एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व के द्वारा लिखे गए पत्रों के प्रति जिज्ञासु होंगे, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे, • अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	• बच्चे विभिन्न विषयों पर आधारित विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़कर चर्चा करते हैं, जैसे- पाठ्यपुस्तक में किसी पक्षी के बारे में पढ़कर पक्षियों पर लिखी गई सालिम अली की किताब पढ़कर चर्चा करते हैं। • हिंदी भाषा में विभिन्न प्रकार की सामग्री (समाचार, पत्र-पत्रिका, कहानी, जानकारीपरक सामग्री, इंटरनेट, ब्लॉग पर छपने वाली सामग्री आदि) को समझकर पढ़ते हैं और उसमें अपनी पसंदनापसंद, टिप्पणी, राय, निष्कर्ष आदि को मौखिक/सांकेतिक भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।	• औपचारिक/ अनौपचारिक पत्र लेखन का अभ्यास। • प्रसिद्ध हस्तियों व उनकी संतान के मध्य पत्र व्यवहार व उनकी सीख विषय पर लेखन ।

					● पढ़ी गई सामग्री पर चिंतन करते हुए समझ के लिए प्रश्न पूछते हैं।	
8	**पाठ.13** **मैं सबसे छोटी होऊँ** सुमित्रा नंदन पंत	बचपन के अनुभवों को याद कर काव्य विधा से अवगत करना और काव्य विधा के प्रति भाव उत्पन्न करना।	● वाक्यांश के लिए एक शब्द ● विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर औपचारिक/ अनौपचारिक पत्र लेखन का अभ्यास ● विद्यार्थियों की रुचि, अवसर, आवश्यकता एवं अधिगम के आधार पर अनुच्छेद/ निबंध/ चित्र वर्णन का अभ्यास	● भावानुकूल सस्वर वाचन में सक्षम होंगे, ● बचपन की स्मृतियों और माँ के अपनेपन के भाव से परिचित होंगे ● पारिवारिक मूल्यों का विकास होगा, ● कल्पनाशीलता का विकास होगा, ● पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं से अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे। ● अभ्यासप्रश्न हल करने में सक्षम होंगे।	● पढ़ी गई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं प्रश्न बनाते हैं और पूछते हैं। अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते हैं। ● भाषा की बारीकियों/व्यवस्था का लिखित प्रयोग करते हैं, जैसे कविता के शब्दों को बदलकर अर्थ और लय को समझना। ● अभिव्यक्ति की विविध शैलियों/रूपों को पहचानते हैं, स्वयं लिखते हैं, जैसे- कविता, कहानी, निबंध आदि।	● काव्य रचना के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना ● संज्ञा और उसके भेद का प्रयोग करना। ● कविता लेखन व पठन/ सस्वर वाचन।

- **उपर्युक्त पाठ्यक्रम 31 जनवरी 2024 तक पूरा कर लिया जाए।**
- **वार्षिक परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम की पुनरावृति करवाई जाए।**
- **वार्षिक परीक्षा में घटाए गए पाठ अथवा पाठ के अंशों को छोड़कर समस्त पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है , शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र है।**
- **ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "बाल रामकथा" कक्षा-6 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से है। गत परीक्षाओं में इन पूरक पुस्तकों से प्रश्न नहीं पूछे गए हैं। अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।**

वार्षिक परीक्षा